

प्रेषक

मंजुल कुमार जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य राजस्व आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

राजस्व अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 13 अगस्त, 2009

विषय:-12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत मुख्य राजस्व आयुक्त कार्यालय भवन में नलकूप लगाने हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3689/सी0आर0सी0/2009 दिनांक 02.08.2009 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लाडपुर में मुख्य राजस्व आयुक्त कार्यालय के निर्माणधीन भवन में पेयजल व्यवस्था स्थापित करने हेतु शासन को उपलब्ध कराये गये आगणन रु0 7.60 लाख के टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी इतनी ही धनराशि को 12वां वित्त आयोग से वित्त पोषण हेतु एच0एल0सी0 द्वारा अनुमोदनापरान्त रु0 7.60 लाख (रु0 सात लाख साठ हजार मात्र) की धनराशि पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि को वर्तमान वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- 1- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- 4- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य कतने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।
- 5- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 7- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।



- 8- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006) दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
 - 9- आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttrakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
 - 10- कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराकर उपयोगिता प्रमाण पत्र माह 31 दिसम्बर, 2009 तक प्रत्येक दशा में शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
 - 11- जनपदों को धनराशि अवमुक्त करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि संलग्न कार्य योजना के लिये पूर्व में मुख्य राजस्व आयुक्त के स्तर से कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की गई है।
 - 12- प्रस्तावित कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराकर उपयोगिता प्रमाण पत्र दिनांक 31 दिसम्बर, 2009 तक उपलब्ध करा दिये जावेगा, ताकि भारत सरकार से धनराशि की प्रतिपूर्ति हेतु अनुरोध किया जा सके।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-800-अन्य भवन-आयोजनागत-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिर्धानित योजनायें-0101-12वां वित्त आयोग के अन्तर्गत राज्य अवस्थापना विकास-24-वृहद निर्माण के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-48P/XXVII(5)/2009 दिनांक 04 जुलाई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-कार्य का आगणन।

भवदीय

(मंजुल कुमार जोशी)
अपर सचिव।

संख्या-1006(1)/XVIII(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, बजट राजकोषीय, निवोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।
5. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
6. निजी सचिव माओ मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-5
9. वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सन्तोष बडोनी)
अनुसचिव।